



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 92] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1984/चैत्र 10, 1906  
No. 92] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1984/CHAITRA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1984

सा. का. नि. 240(अ) :—केन्द्रीय सरकार, नोटेरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नोटेरी नियम, 1956 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

11. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नोटेरी (संशोधन) नियम, 1984 है।
- (2) ये 1 अप्रैल, 1984 को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 9 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“9. विधि व्यवसाय का प्रमाण-पत्र जारी करने उसके विस्तार या नवीकरण के लिए फीस :—

विधि व्यवसाय का प्रमाणपत्र जारी करने की फीस तीन सौ पचास रुपये होगी, विधि व्यवसाय के क्षेत्र के विस्तार की फीस दो सौ पचास रुपये होगी और विधि व्यवसाय के प्रमाण-पत्र के नवीकरण की फीस एक सौ रुपये होगी ; और प्रमाण-पत्र की दूसरी प्रति के लिए फीस पचास रुपये होगी

[फा. 5(20)/82-न्यायिक]

एन. एस. मेहता, संयुक्त सचिव,  
और विधि सलाहकार

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1984

G.S.R. 240(E).—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Notaries Rules, 1956, namely :—

1. (1) These rules may be called the Notaries (Amendment) Rules, 1984

(2) They shall come into force on the first day of April, 1984.

2. For rule 9, the following rule shall be substituted namely :—

“9. Fee for the issue, extension or renewal of certificate of practics.—The fee for the issue of a certificate of practice shall be three hundred and fifty rupees; the fee for the extension of area of practice shall be two hundred and fifty rupees and the fee for the renewal of a certificate of practice shall be one hundred rupees; and the fee for a duplicate certificate shall be fifty rupees.”

[F. 5(20)/82-Judl.]

N. S. MEHTA, Jt. Secy.  
& Legal Adviser.